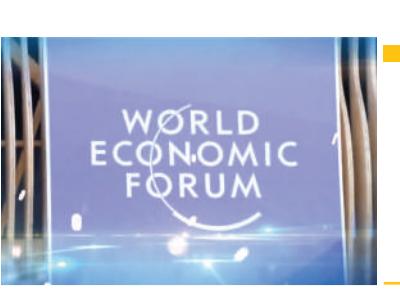




■ साइबर अपराधों के खिलाफ बैंक खातों को प्रीज करने के लिए बनेगी एसओपी - 12



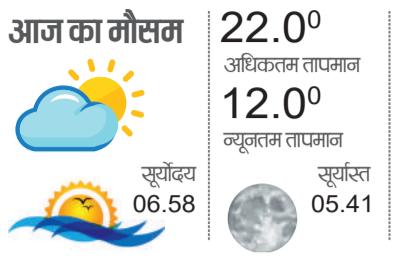
■ डल्यूईएफ में वैशिक दिवांगों के सानों दमदार उपस्थिति के लिए तैयार भारत - 12



■ ईयूने अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर लगाई रोक - 13



■ लिंगुन यी और आनंद यंग बने इंडिया ओपन चैपियन - 14



आज का मौसम

22.0°

अधिकतम तापमान

12.0°

न्यूनतम तापमान

06.58

सूर्योदय

05.41

माघ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 02:14 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत् 2082

हर-हर गंगे

अनुत्तर विचार

अयोध्या

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार



2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बैंगलूरु ■ कानपुर
■ गुरुदाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

सोमवार, 19 जनवरी 2026, वर्ष 4, अंक 156, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये



मौनी अमावस्या के अवसर पर प्रयागराज में संगम पर अनुष्ठान करते संत।

आस्था का महासागर... संगम में 4.5 करोड़ ने लगाई डुबकी

■ कड़ाके की ठंड में मौनी अमावस्या पर अयोध्या से लेकर काशी-मथुरा तक उमड़ा जनसैलाब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मौनी अमावस्या पर कड़ाके की ठंड, धना कोहरा और शीतलरभ भी श्रद्धालुओं को नहीं रोक सके। रातमध्ये से ही संगम, गंगा, सरयू और यमुना के घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। संगम में 4.5 करोड़ से भी ज्यादा श्रद्धालुओं को डुबकी लगाने का अनुमान है। स्नान, दान और मौन के इस संगम पर प्रदेश भर में हर-हर गंगे और हर-हर महादेव के जययोग गूंजते रहे।

प्रयागराज में स्नान करने आए श्रद्धालुओं पर हल्लीकंपर से पुष्पवर्षण की गई। प्रशासन के अनुसार सुबह साढ़े श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाकर नया रिकॉर्ड जनसैलाब उमड़ा। कानपुर में महाराजपुर आठ बजे तक करीब 1.5 करोड़ श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके थे। दोपहर 12 बजे तक यह संख्या 3.15 करोड़ पहुंची, और वृद्धावन में यमुना घाटों पर भी श्रीएम योगी ने किया स्वागत।

पुलिस ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को रोका, साधुओं से हाथापाई, संत भड़के प्रयागराज। मास में रविवार को मौनी अमावस्या पर शंकराचार्य खामी अविमुक्तेश्वरानंद सरसवाती के काफिले को पुलिस ने संगम तट पर जाने से रोक दिया। इस पर शंकराचार्य के शिष्यों और पुलिस के बीच तीव्री बढ़स हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि पुलिस और शंकराचार्य के शिष्यों के बीच धक्का-मुक्की होने लगी। पुलिस ने उन्हें धक्का देकर पीछे हटाया। इस घटना से संतों में भारी नाराजगी फैल रही। पुलिस प्रशासन के मुताबिक मौनी अमावस्या के दिन यमुना क्षेत्र को नो-फ्लैट जैसा प्रोपोज किया गया था। अपने काफिले के साथ संगम तट यह शंकराचार्य को इसी कारण रोका गया था। अधिकारियों ने कहा कि शंकराचार्य से पैदल जाने का अनुरोध किया गया था।

पुलिस ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को रोका, साधुओं से हाथापाई, संत भड़के

प्रयागराज। मास में रविवार को मौनी अमावस्या पर शंकराचार्य खामी अविमुक्तेश्वरानंद सरसवाती के काफिले को पुलिस ने संगम तट पर जाने से रोक दिया। इस पर शंकराचार्य के शिष्यों और पुलिस के बीच तीव्री बढ़स हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि पुलिस और शंकराचार्य के शिष्यों के बीच धक्का-मुक्की होने लगी। पुलिस ने उन्हें धक्का देकर पीछे हटाया। इस घटना से संतों में भारी नाराजगी फैल रही। पुलिस प्रशासन के मुताबिक मौनी अमावस्या के दिन यमुना क्षेत्र को नो-फ्लैट जैसा प्रोपोज किया गया था। अपने काफिले के साथ संगम तट यह शंकराचार्य को इसी कारण रोका गया था। अधिकारियों ने कहा कि शंकराचार्य से पैदल जाने का अनुरोध किया गया था।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मौनी अमावस्या पर शुभकामनाएं देते हुए संगम में पवित्र स्नान के लिए आए अखाड़े, संतों, साधकों, कल्पवसियों और श्रद्धालुओं का स्वागत किया।

घने कोहरे से दृश्यता शून्य, सड़कों पर भिड़े 70 से ज्यादा वाहन, 11 की मौत

प्रदेश में लगातार दूसरे दिन बरपा कोहरे का कहर, 75 से ज्यादा लोग घायल हुए इन दुर्घटनाओं में

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के ज्यादातर जिलों में लगातार दूसरे घाया घना कोहरा सड़कों पर जानलेवा सावित हुआ। शून्य दृश्यता के बीच हुए ताबड़तोड़ हादसों में 70 से ज्यादा वाहन सड़कों पर टकराए। इनमें 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 75 से अधिक लोग घायल हुए हैं। कड़ाके की ठंड की वजह से भी जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा।

सबसे भीषण हादसा अमरोहा में हुआ, जहां घने कोहरे के बीच हाईवे पर 15 वाहन एक-दूसरे से टकराए। वाहनों का अपस में टकराने के बाद क्षितिग्रस्त होकर खड़े जाने से सड़क बंद हो गई जिसकी वजह से घंटों तक यातायात ठप रहा। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

अमरोहा में घने कोहरे में टकराने के बाद सड़क पर खड़ी क्षितिग्रस्त गड़िया। अमरोहा में घने कोहरे के बीच हाईवे पर 15 वाहन एक-दूसरे से टकराए। वाहनों का अपस में टकराने के बाद क्षितिग्रस्त होकर खड़े जाने से सड़क बंद हो गई जिसकी वजह से घंटों तक यातायात ठप रहा। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

पुलिस ने घायलों को अस्पताल पिछवाने के बाद क्रेनें मंगवाकर क्षितिग्रस्त वाहनों को एक व्यक्ति की मौत हो गई। शून्य दृश्यता की वजह तक यातायात सुचारू हुआ। इसके अलावा कानपुर-अमेड़ी मार्ग पर कार-ट्रक की भिड़ित में एक, मैनुरुपी में कोहरे में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

अमरोहा में घने कोहरे में टकराने के बाद सड़क पर खड़ी क्षितिग्रस्त गड़िया।



50 से अधिक जिलों में छाया रहा घना कोहरा

राज्याधीनी लखनऊ, प्रयागराज, अयोध्या, बैंगलूरु, यमुनागंगा जिलों में घने कोहरे के बीच हाईवे पर घने से अत्यंत घने कोहरे की चपेट में रहे। कई इलाकों में दूश्यता शून्य से 50 मीटर तक सिपम गई। मुबहूर वाहनों के बीच घने से अपस करने के बाद घने की चपेट में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

पुलिस ने घायलों को अस्पताल पिछवाने के बाद क्रेनें मंगवाकर क्षितिग्रस्त वाहनों को एक व्यक्ति की मौत हो गई। शून्य दृश्यता की वजह तक यातायात सुचारू हुआ। इसके अलावा एक व्यक्ति की मौत हो गई।

पुलिस ने घायलों को अस्पताल पिछवाने के बाद क्रेनें मंगवाकर क्षितिग्रस्त वाहनों को एक व्यक्ति की मौत हो गई। शून्य दृश्यता की वजह तक यातायात सुचारू हुआ। इसके अलावा एक व्यक्ति की मौत हो गई।

पुलिस ने घायलों को अस्पताल पिछवाने के बाद क्रेनें मंगवाकर क्षितिग्रस्त वाहनों को एक व्यक्ति की मौत हो गई। शून्य दृश्यता की वजह तक यातायात सुचारू हुआ। इसके अलावा एक व्यक्ति की मौत हो गई।

पुलिस ने घायलों को अस्पताल पिछवाने के बाद क्रेनें मंगवाकर क्षितिग्रस्त वाहनों को एक व्यक्ति की मौत हो गई। शून्य दृश्यता की वजह तक यातायात सुचारू हुआ। इसके अलावा एक व्यक्ति की मौत हो गई।

पुलिस ने घायलों को अस्पताल पिछवाने के बाद क्रेनें मंगवाकर क्षितिग्रस्त वाहनों को एक व्यक्ति की मौत हो गई। शून्य दृश्यता की वजह तक यातायात सुचारू हुआ। इसके अलावा एक व्यक्ति की मौत हो गई।

पुलिस ने घायलों को अस्पताल पिछवाने के बाद क्रेनें मंगवाकर क्षितिग्रस्त वाहनों को एक व्यक्ति की मौत हो गई। शून्य दृश्यता की वजह तक यातायात सुचारू हुआ। इसके अलावा एक व्यक्ति की मौत हो गई।

पुलिस ने घायलों को अस्पताल पिछवाने के बाद क्रेनें मंगवाकर क्षितिग्रस्त वाहनों को एक व्यक्ति की मौत हो गई। शून्य दृश्यता की वजह तक यातायात सुचारू हुआ। इसके अलावा एक व्यक्ति की मौत हो गई।

रेल और हवाई यातायात भी बुरी तरह प्रभावित

कोहरे का असर सड़क तक सिपम नहीं रहा। रेल और हवाई सेवाएं भी बुरी तरह प्रभावित हुई। अपारीय र

न्यूज ब्रीफ

नारायण बजाज

शोरूम का शुभारंभ

पूराबाजार, अमृत विचार : दर्शननगर-रसूलाबाद मार्ग पर इंदियन ऑफल पेट्रोल पंप रसूलाबाद के समीप नारायण बजाज शोरूम का शुभारंभ रविवार को मुख्य अंतिम पूर्व कार्यवाहक जिप अधिकरण करुणाकर पांडे, बूजूद त्रिपाठी ने फीटा काटकर किया। प्रपाराइटर आशीर्वाद ने दरवाया कि ग्रामीण क्षेत्र के रसूलाबाद में बाइक का कोई शोरूम नहीं था। जिसके कारण लोगों को समर्था ही थी। संरक्षक पिराजा शंकर सिंह ने आप हुए अंतिरिक्षों का आभार व्यक्त किया। शुभारंभ अंतर्वर पर ग्रामोदय ग्रुप 40के इन्स्टीट्यूशन्स रामपुर सरकार के द्वारा निर्माण दी। संदीप सिंह, उपायकर सिंह, अवधीन सिंह, सुधाकर दूबे आदि भौजूद रहे।

चिकित्सकीय लापरवाही पर सख्त कानून बनाने की मांग

अयोध्या, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष शरद शुक्ल ने चिकित्सकीय लापरवाही पर सख्त कानून बनाए जाने की मांग की है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजा है। पीपीस को संबोधित पत्र में लिखा है कि चिकित्सा सेवा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि यह मानवता की सर्वोच्च साधना है। जब इस साधन में बुक होती है, तो उत्तरका परिणाम केवल एक अपार्वन की मूर्य नहीं, बल्कि समाज के विश्वास की मूर्य भी होती है। आवश्यकता है कि भारत में एक विशेष, सख्त और पारदर्शी मैटिकल बीएलजेस निवारण कानून बनाया जाए, जिसके अंतर्गत चिकित्सीय लापरवाही से हुई मृत्यु यथार्थी के मामलों में तत्त्वात्मक जांच एवं सम्यवद तथा याचिकाएँ हो। इमानदारी और सेवादीशीलता से कार्य करने वाले डॉक्टरों को उचित कानूनी सुरक्षा और सम्मान प्रदान किया जाए।

भाजपा नेता ने की अग्नि पीड़ितों की मदद
रुदौली, अयोध्या। अमृत विचार : भजपा की जिला महानगरी व प्रधान बिहार मुनियापालन ने भेलसर गांव के अग्नि पीड़ितों को बनान आदा चावल दाल बर्नन एवं साड़ी भेट की। उन्होंने अग्नि पीड़ितों को मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाए का आवासन दिया। भाजपा नेता एवं समाजसेवी लाल लोधी, राम पिंजर, राधाव लाल भौजूद रहे।

अग्निपीड़ित की मदद को बढ़ाए हाथ
सोहावल, अमृत विचार : आयुष्मान काउंडेश्वर की ओर से विकास वर्मा, पुष्टेंद्र पांडेय ने देवई के अग्नि पीड़ित सदीप को 11 सो रुपये का बंक प्रदान किया। साथ ही राहत सामग्री के रूप में पांच किलो आटा, पांच किलो चावल, दाल, तेल, नमक, मसाले, कंबल, पूरे परिवार का कपड़ा और बर्नन पदान किया। साथ में हिमांशु त्रिपाठी, गुरु वर्मा, सरयु प्रकाश गांधी, गजेंद्र सिंह के साथ गांव के लोग भी भौजूद रहे।

प्रशासनिक अफसर रहे तेज प्रताप सिंह का निधन
पूराबाजार, अमृत विचार : रविष्ट अधिकारी रहे तेज प्रताप सिंह (62) का आकारिक निधन हो गया। उनके निधन से सारायारी सहित आसापास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। त्र. तेज प्रताप सिंह उत्तर प्रदेश सेनिक पुरुषरास निधि अटारी लेखन के लिए प्रारूप-7 के लगभग 12 फॉर्म भरवाए। बीएलओ ने बताया कि नए पात्र मतदाता 31 जनवरी और एक फरवरी की भी साराय जारी करने की लेटर दिलाई गई। इस उत्तराधिकारी के पास अधिकारियों व संस्कार समर्थन अयोध्या में किया गया। मुख्यमंत्री उनके बड़े सुपुत्र उदयेंद्र प्रताप सिंह ने दी। बड़ी सूची में लोग अंतिम संस्कार में भौजूद रहे।

भारत माता मंदिर में संघ शताब्दी वर्ष पर हुआ हिन्दू सम्मेलन
अयोध्या कार्यालय

मिल्कीपुर, अयोध्या। अमृत विचार : इन्दू सम्मेलन में भौजूद लोगों ने पर भारत माता मंदिर शाहगंज में एक दिन 100 वर्ष पूर्व होने पर भारत माता मंदिर समरपत्र के द्वारा समाजिक समरपत्र के संदर्भ को साक्षात् रखना वाला कार्यक्रम किया। इसमें रामेश्वर, संस्कृतिक वेदों वाला वाला का दर्शन करने के साथ शताब्दी वर्ष से अपने उद्घोषण में संघीय किया। अग्निमित्र (दर्टी), श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की अपने उद्घोषण में संघीय की 100 वर्षों की राम-सेवा यात्रा को प्रेरणासात्

विशेष अभियान दिवसः देखी सूची, मतदाता बनाने का किया आवेदन

■ बूथों पर पहुंचे लोग, सूची में नाम न होने पर विकल्प की जानकारी ली ■ अफसरों ने बूथों पर किया निरीक्षण, दिये निर्देश

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचारः एसआईआर के बाद रविवार को फिर अभियान दिवस का आयोजन किया गया। सूची में अपना नाम देखने वाले पहुंचे। मतदाता बनाने के लिए आवेदन किया। अभियान के निरीक्षण के लिए प्रशासन के पूरी फौज मैदान में थी। इसके बाद तो कोई शोरूम नहीं था। जिसके कारण लोगों को समर्था ही थी। संरक्षक पिराजा शंकर सिंह ने आप हुए अंतिरिक्षों का आभार व्यक्त किया। शुभारंभ अंतर्वर पर ग्रामोदय ग्रुप 40के इन्स्टीट्यूशन्स रामपुर सरकार के द्वारा निर्माण दी। संदीप सिंह, उपायकर सिंह, सुधाकर दूबे आदि भौजूद रहे।

चिकित्सकीय लापरवाही पर सख्त कानून बनाने की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

अयोध्या

पर सख्त कानून बनाने की मांग

की मांग

न्यूज ब्रीफ

झारखंडी रेलवे स्टेशन के पास लगाएं कूड़ादान

बलरामपुर, अमृत विचार: नगर के झारखंडी रेलवे स्टेशन के पास में सड़क के बिना कूड़ा फेंक रहे हैं, जिससे आसपास गर्दी फैली रहती है। यानी लगानी सत्याग्रह, राजू, प्रदाता और अकित ने बताया कि स्टेशन पर बाहर से भी यात्री आते हैं और इसी मार्ग से लोगों का आवागमन होता है। ऐसे में सड़क के बिना कूड़ादान लगाना जान जरूरी है। बड़े नगरालिका से शीघ्र कूड़ादान रखवाने की मार्ग की है।

28 वर्ष बाद खुलेगा

जिला सहकारी बैंक

बलरामपुर, अमृत विचार: जिले में लगभग 28 वर्ष के लिए अंतराल के बाद जिला सहकारी बैंक खुलने से तीन लाख से अधिक प्रभारी सहायक निवेदक सहकारिता राजेश सिंह ने बताया कि जिला सहकारी बैंक के गठन की प्रक्रिया चल रही है। सभी औद्योगिकताएं पूरी कर रिंजन वें में लाइसेंस के लिए आवेदन किया जाएगा। बैंक के सिस्तों को छोड़ एवं अच्युत सहकारी सुविधाएं स्थानीय स्तर पर मिल सकेंगी।

प्राथमिक विद्यालय का मूल भवन जर्जर

हरेया सत्यराम, बलरामपुर: क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय रसगढ़ का मूल भवन और अधिकारित कक्ष जर्जर हैं। लाइसेंस पूर्व ही गढ़ गया है। विद्यालय के बाद सहकारी बैंक के गठन की प्रक्रिया चल रही है। जिला सहकारी बैंक के गठन की प्रक्रिया चल रही है। जिला सहकारी बैंक के गठन की प्रक्रिया चल रही है।

गेहूं भिगोकर वजन बढ़ाने के खेल में केंद्र प्रभारी निलंबित

निगम प्रशासन ने की कार्रवाई, विभागीय जांच के आदेश

खबर का असर

संचादाता बलरामपुर

अमृत विचार: राज्य बंडारागृह खेड़ेहाना में बंडारित गेहूं के स्टॉक पर पानी डालकर वजन बढ़ाने का बाद निगम प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के संज्ञान में आने के बाद कराई गई संयुक्त जांच में आरोप सही पाए गए, जिसके बाद केंद्र प्रभारी को निलंबित कर दिया गया। इनको क्षेत्रीय कार्यालय अयोध्या से संबंद्ध कर दिया गया है। निगम प्रशासन द्वारा उके विरुद्ध विभागीय जांच अधिकारी के रूप में क्षेत्रीय कार्यालय गोरखपुर के उप प्रबंधक सुधार चंद्र पांडेय को नामित किया गया है, जो नियमनुसार जांच पूर्ण कर प्रभारी को तक्ताल प्रभारी से निलंबित करते हुए विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

प्राप्ति विचार के अनुसार वायरल वीडियो के बाद क्षेत्रीय प्रबंधक अयोध्या देवीपाटन एवं जिला खाद्य विषयन अधिकारी बलरामपुर ने 10 जनवरी को संयुक्त रूप से बंडारगृह खेड़ेहाना पहुंचकर जांच की थी। संयुक्त देवीपाटन एवं जिला खाद्य विषयन अधिकारी बलरामपुर से विचार-से सामने आया कि गेहूं के चट्टों पर विभागीय जांच के निर्देश दिए गए। इसके क्रम में जांच के दौरान वीडियो के संबंध में केंद्र प्रभारी एवं प्राविधिक सहायक त्रियुगी नारायण शुक्ला द्वारा प्रस्तुत पक्ष को जांच समिति ने अस्वीकार करते हुए उनका भूमिका को संदिग्ध माना। जांच रिपोर्ट के आधार पर क्षेत्रीय प्रबंधक अयोध्या द्वारा प्रधान कार्यालय को अनुशासनात्मक कार्रवाई की संस्तुति भेजी गई। साथ ही देवीपाटन को जांच में दोष सिद्ध होने की स्थिति में आगे और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य में 1487 लोगों का उपचार

बलरामपुर, अमृत विचार: जिले में रविवार को सभी 31 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मंत्रों का सफल आयोजन किया गया। इन मेलों में कुल 1487 मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई। स्वास्थ्य विषयक के अनुसार उपचार पानी वालों में 656 युवा, 675 महिलाएं और 156 बच्चे शामिल हैं। मेलों में मरीजों की सामाजिक जांच के साथ रक्तांता, शुरां, टीवी, कुट्टा, नेत्र व दंत रोगों की जांच की गई। इस मेले पर चिकित्सकों को और से सभी को उचित परामर्श भी दिया गया। गर्भवती महिलाओं की एप्सानी जांच, परिवर्त नियोजन परामर्श, बच्चों की टीकाकरण तथा विभिन्न जनकल्पनाकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तों पर विभागिक स्वास्थ्य केंद्र सिर्फ़ इन निरीक्षण किया।

1805 मतदान केंद्रों पर हुआ सूची वाचन



मतदाता सूची का वाचन करते जिलाधिकारी।

विद्यालय धर्मपुर स्थित बूथ संख्या 88, 89, 90 व 91 तथा भगवती आदर्श इंटर कॉलेज के बूथ संख्या 92, 93, 94 व 95 का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उहानें बूथ स्तरीय अधिकारियों एवं उपरित्त नायिकों से संवाद करते हुए अपने जांच की रुटों की समय रहते ठीक किया जाता है। इसी क्रम में जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रक रुपरेश के द्वारा दिए गए।

विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए।

विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए।

विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए।

विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए।

विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए।

विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए।

विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए।

विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए।

विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए।

विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए।

विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए।

विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए।

विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए।

विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए।

विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की जांच की दिए गए। जिलाधिकारी एवं विद्यालय नियन्त्रकों के उनके नाम, विवरण की



प्रतिबद्ध प्रयास आवश्यक

प्रधानमंत्री ने एक बार फिर घुसपैठियों का मुद्दा चुनावी विमर्श के केंद्र लाते हुए पश्चिम बंगाल और असम को चुस्पैठियों से मुक्त करने का आह्वान किया है। देश के लिए इस महत्वपूर्ण मुद्दे को प्रधानमंत्री द्वारा लात किले से लेकर, तमाम चुनावी जनसभाओं में भी दोहराया गया है, इसके समाधान की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की गई है, निस्संदेह इस ओर कुछ काम भी हुआ होगा, लेकिन प्रश्न यह है कि इसे अब तक ठोस अंतर्गत क्यों नहीं मिल पाया। भारत में अवैध घुसपैठ की समस्या केवल सीमाओं तक सीमित विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक संतुलन, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और आर्थिक संसाधनों के दुरुपयोग से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। घुसपैठ का असर बहुआयामी है। सीमावर्ती राज्यों की जैनसार्थियों की बदलाव, सरकारी योजनाओं का दबाव, स्थानीय और शिक्षा संसाधनों का अनुचित उपयोग, स्थानीय लोगों की आत्मविकाप के असर और सामाजिक तनाव, ये सब इसके प्रत्यक्ष परिणाम हैं। इससे भी अधिक चिंता जनक है कि फर्जी वाटर आई ही, आधार कार्ड जैसे दस्तावेजों के जरिए चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप, नकली करेंसी, नशीली दवाओं की तस्करी और आतंकी स्नोपर सेल की आशंकाएं। एनडीए सरकार पिछले 11 वर्षों से सता में है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि सरकार वास्तव में प्रतिबद्ध है, तो विहार, पश्चिम बंगाल और असम जैसे जग्यों में इसके ठोस परिणाम क्यों नहीं दिखते? कम से कम जो भाजपा शासित राज्य है, वह घुसपैठ सुन्न क्यों नहीं है? क्या यह राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी है या फिर यह मुद्दा चुनावी लाभ के लिए इसे जीत लेना चाहता है?

यूपीए सरकार के अनुसार 2005-2013 के बीच 88,792 अवैध प्रवासियों को निवासित किया गया, जबकि 2014-2019 के बीच यह संख्या चारकाल 2,566 रह गई। 2019 के बाद कोई विश्वसनीय अधिकारिक अंकड़ा सावधनिक रूप से उत्तराध्य नहीं है। यदि सरकार के पास अद्यतन और पारदर्शी डेटा नहीं है, तो “घुसपैठ” को चुन-चुन कर बाहर निकालने की घोषणा कितनी व्यावहारिक है? बालादेशी अवैध प्रवासियों को आधिकारिक संख्या आज तक सर्वजनिक क्यों नहीं है, जिसके चलते पश्चिम बंगाल में 50-57 लाख घुसपैठियों के दावे की प्रामाणिक आज भी सवालों के भेरे में हैं। इसके अलावा क्या घुसपैठियों के प्रवेश मार्ग, धर्म, जग्यों में वितरण इन सवालों समेकित, स्थापित व्याप हमारे पास है? यदि नहीं, तो कार्रवाई कैसे होगी? असम में एवं असारीजे जैसे बड़ा और विवादापूर्ण अध्याय हुआ, लेकिन अंतिम सूची आने के बाद नियमानुसार वाटर भी नहीं हुई? घुसपैठ रोकने की जिम्मेदारी राज्यों के साथ गृह मंत्रालय, सीमा सुरक्षा बल, विदेश मंत्रालय और पड़ासों देशों के साथ कूटनीति पर भी है, इनकी जबाबदेही कब तय होगी? यामी में लाइटिंगटॉर, डिलॉट, डीपोर्ट जैसी “प्री-डी” नीति और विहार में नियम जैसी प्रक्रिया असम और पश्चिम बंगाल में क्यों नहीं है? बेशक समाधान न भाषणों में है, न ही डर के नीरेटिव में। सरकार को पारदर्शी अंकड़े, सम्पर्क कार्ययोजना, अंतर-मंत्रालयी सम्पर्क, सीमाइंड प्रबंधन की मजबूती और मानवधिकार-सम्पत्ति, लेकिन सख्त कार्रवाई के ठोस कदम उठाने होंगे। तभी प्रधानमंत्री का आह्वान चुनावी नारा नहीं, राष्ट्रीय नीति के तौर पर स्थापित हो सकेगा।

प्रसंगवाद

बेजोड़ इको-सिस्टम अरावली का संरक्षण जरूरी

अरावली पर्वतमाला का वर्तमान क्षण उत्तर भारत के लिए ऐसा ही एक गंभीर पर्यावरणीय संकट बनकर उभरा है। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूमेन्द्र यादव द्वारा हाल ही में जारी इको-रेस्टोरेशन ऑफ द अरावली लैंडस्केप रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को स्पष्ट करती है। रिपोर्ट के अनुसार, 1967-68 से अब तक राजस्थान में अरावली की लगभग 25 प्रतिशत पहाड़ियां नष्ट हो चुकी हैं, जबकि 31 पहाड़ियां पूरी तरह समाप्त हो गई हैं। इसका सीधा प्रभाव यह है कि पूर्ण राजस्थान धीरे-धीरे अर्ध-रेगिस्ट्रेशन (सीईसी) के अनुसार खनन, अतिक्रमण और वनों की कटाई इसके प्रमुख कारण हैं। अरावली शब्द का अर्थ है “चोटियों की रेखा”。 इसका सबसे ऊचा शिखर है, जो मार्टंड आबू में स्थित है और जिसकी ऊचाई 1,722 मीटर है। दुर्मायवा, मानव ने अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए इस पर्वतमाला के खनन में कोई कसर नहीं छोड़ी। 1970 के बाद से अरावली क्षेत्र की 40 प्रतिशत से अधिक वन संपदा नष्ट हो चुकी है। अवैध निर्माण और अतिक्रमण में इसके प्राकृतिक स्वरूप को गहरे धाव दिए हैं। राजस्थान और हरियाणा सरकारों द्वारा दी गई खनन अनुमतियों का ठेकेदारों ने दुरुपयोग किया और लाइसेंस सीमा से आगे अरावली अंतर्गत खनन किया। इसका सबसे ऊचा शिखर है, जो मार्टंड आबू में स्थित है और जिसकी ऊचाई 1,722 मीटर है। दुर्मायवा, मानव ने अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए इस पर्वतमाला के खनन में कोई कसर नहीं छोड़ी। 1970 के बाद से अरावली क्षेत्र की 40 प्रतिशत से अधिक वन संपदा नष्ट हो चुकी है। अवैध निर्माण और अतिक्रमण में इसके प्राकृतिक स्वरूप को गहरे धाव दिए हैं। राजस्थान और हरियाणा सरकारों द्वारा दी गई खनन अनुमतियों का ठेकेदारों ने दुरुपयोग किया और लाइसेंस सीमा से आगे अरावली के अंतर्गत खनन किया। इसका सबसे ऊचा शिखर है, जो मार्टंड आबू में स्थित है और जिसकी ऊचाई 1,722 मीटर है। दुर्मायवा, मानव ने अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए इस पर्वतमाला के खनन में कोई कसर नहीं छोड़ी। 1970 के बाद से अरावली क्षेत्र की 40 प्रतिशत से अधिक वन संपदा नष्ट हो चुकी है। अवैध निर्माण और अतिक्रमण में इसके प्राकृतिक स्वरूप को गहरे धाव दिए हैं। राजस्थान और हरियाणा सरकारों द्वारा दी गई खनन अनुमतियों का ठेकेदारों ने दुरुपयोग किया और लाइसेंस सीमा से आगे अरावली के अंतर्गत खनन किया। इसका सबसे ऊचा शिखर है, जो मार्टंड आबू में स्थित है और जिसकी ऊचाई 1,722 मीटर है। दुर्मायवा, मानव ने अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए इस पर्वतमाला के खनन में कोई कसर नहीं छोड़ी। 1970 के बाद से अरावली क्षेत्र की 40 प्रतिशत से अधिक वन संपदा नष्ट हो चुकी है। अवैध निर्माण और अतिक्रमण में इसके प्राकृतिक स्वरूप को गहरे धाव दिए हैं। राजस्थान और हरियाणा सरकारों द्वारा दी गई खनन अनुमतियों का ठेकेदारों ने दुरुपयोग किया और लाइसेंस सीमा से आगे अरावली के अंतर्गत खनन किया। इसका सबसे ऊचा शिखर है, जो मार्टंड आबू में स्थित है और जिसकी ऊचाई 1,722 मीटर है। दुर्मायवा, मानव ने अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए इस पर्वतमाला के खनन में कोई कसर नहीं छोड़ी। 1970 के बाद से अरावली क्षेत्र की 40 प्रतिशत से अधिक वन संपदा नष्ट हो चुकी है। अवैध नि�र्माण और अतिक्रमण में इसके प्राकृतिक स्वरूप को गहरे धाव दिए हैं। राजस्थान और हरियाणा सरकारों द्वारा दी गई खनन अनुमतियों का ठेकेदारों ने दुरुपयोग किया और लाइसेंस सीमा से आगे अरावली के अंतर्गत खनन किया। इसका सबसे ऊचा शिखर है, जो मार्टंड आबू में स्थित है और जिसकी ऊचाई 1,722 मीटर है। दुर्मायवा, मानव ने अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए इस पर्वतमाला के खनन में कोई कसर नहीं छोड़ी। 1970 के बाद से अरावली क्षेत्र की 40 प्रतिशत से अधिक वन संपदा नष्ट हो चुकी है। अवैध नि�र्माण और अतिक्रमण में इसके प्राकृतिक स्वरूप को गहरे धाव दिए हैं। राजस्थान और हरियाणा सरकारों द्वारा दी गई खनन अनुमतियों का ठेकेदारों ने दुरुपयोग किया और लाइसेंस सीमा से आगे अरावली के अंतर्गत खनन किया। इसका सबसे ऊचा शिखर है, जो मार्टंड आबू में स्थित है और जिसकी ऊचाई 1,722 मीटर है। दुर्मायवा, मानव ने अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए इस पर्वतमाला के खनन में कोई कसर नहीं छोड़ी। 1970 के बाद से अरावली क्षेत्र की 40 प्रतिशत से अधिक वन संपदा नष्ट हो चुकी है। अवैध नि�र्माण और अतिक्रमण में इसके प्राकृतिक स्वरूप को गहरे धाव दिए हैं। राजस्थान और हरियाणा सरकारों द्वारा दी गई खनन अनुमतियों का ठेकेदारों ने दुरुपयोग किया और लाइसेंस सीमा से आगे अरावली के अंतर्गत खनन किया। इसका सबसे ऊचा शिखर है, जो मार्टंड आबू में स्थित है और जिसकी ऊचाई 1,722 मीटर है। दुर्मायवा, मानव ने अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए इस पर्वतमाला के खनन में कोई कसर नहीं छोड़ी। 1970 के बाद से अरावली क्षेत्र की 40 प्रतिशत से अधिक वन संपदा नष्ट हो चुकी है। अवैध नि�र्माण और अतिक्रमण में इसके प्राकृतिक स्वरूप को गहरे धाव दिए हैं। राजस्थान और हरियाणा सरकारों द्वारा दी गई खनन अनुमतियों का ठेकेदारों ने दुरुपयोग किया और लाइसेंस सीमा से आगे अरावली के अंतर्गत खनन किया। इसका सबसे ऊचा शिखर है, जो मार्टंड आबू में स्थित है और जिसकी ऊचाई 1,722 मीटर है। दुर्मायवा, मानव ने अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए इस पर्वतमाला के खनन में कोई कसर नहीं छोड़ी। 1970 के बाद से अरावली क्षेत्र की 40 प्रतिशत से अधिक वन संपदा नष्ट हो चुकी है। अवैध नि�र्माण और अतिक्रमण में इसके प्राकृतिक स्वरूप को गहरे धाव दिए हैं। राजस्थान और हरियाणा सरकारों द्वारा दी गई खनन अनुमतियों का ठेकेदारों ने दुरुपयोग किया और लाइसेंस सीमा से आगे अरावली के अंतर्गत खनन किया। इसका सबसे ऊचा शिखर है, जो मार्टंड आबू में स्थित है और जिसकी ऊचाई 1,722 मीटर है। दुर्मायवा, मानव ने अपनी जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए इस पर्वतमाला के खनन में कोई कसर नहीं छोड़

स्प्रिंग सीजन 2026 फैशन की दुनिया में केवल मौसमी बदलाव नहीं, बल्कि सोच और उपभोग के तरीकों में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत देता है। यह सीजन उत्साह, ऊर्जा और आत्म-अभिव्यक्ति की स्थंत्रिता के साथ-साथ

Conscious Consumption यानी जिम्मेदार

उपभोग की अवधारणा को केंद्र में रखता है। इस वर्ष फैशन ने सिर्फ सुंदर दिखने पर केंद्रित है, बल्कि यह टिकाऊपन, व्यक्तिगत शैली और तकनीकी नवाचार का संतुलित रूप प्रस्तुत करता है।



नूर हिना खान
लेखिका

है, बल्कि यह टिकाऊपन, व्यक्तिगत शैली और तकनीकी नवाचार का संतुलित रूप प्रस्तुत करता है।

स्प्रिंग सीजन 2026

फैशन विजन, रंगों की अभिव्यक्ति और नई सोच

रंगों में संतुलन और विरोधाभास

स्प्रिंग 2026 की रंग योजना में स्पष्ट विरोधाभास दिखाई देता है। एक ओर Pantone द्वारा घोषित 'Cloud Dancer' जैसे सोमी ऑफ-लाइट टोन शांति और सदाचारी की प्रतीक बनते हैं, वहीं दूसरी ओर सनशेइन रेतों, फायर इंडन रेड और एक्स्ट्रीम जैसे रमबाले रंग ऊर्जा और आत्मविचास को दर्शाते हैं। यह रंग संयोजन आधुनिक समाज की विविध भावनाओं और बदलते दृष्टिकोण को प्रतिविवेत करता है।

फैशिक और टेक्स्चर में हल्कापन

इस सीजन फैशिक चमत्कार में 'टेलेस क्लालिटी' को प्राप्तिकरता दी गई है। हवा जैसे हल्के कपड़े, जैसे सेंसी-ओपेंक तूल, ऑग्नी और अल्ट्रा-लाइट निट्स खासी तरह पर चलन में रहेंगे। इसके साथ ही Lyocell, Hemp और Recycled Fibers जैसे सर्टेडेबल फैशिक्स अब विकल्प नहीं, बल्कि फैशन इंडस्ट्री की आवश्यकता बन चुके हैं। ब्राइड्स पर्फॉर्मारीय प्रभाव को कम करने की दिशा में ठोस कदम उठा रहे हैं।



प्रमुख स्टाइल ट्रेंड्स

2025 की 'ब्लॉट लग्जरी' के बाद 2026 में 'लाउड लग्जरी' की वापसी देखी जा रही है। टैटल्स, क्रिज, टेक्सचर और समृद्ध डिजाइन वाले परिधान इस सीजन की पहचान होंगे। साथ ही पॉल्का डॉट्स और ज्योमेट्रिक प्रिंट्स नए रूप में सामने आएंगे, जहां अलग-अलग पैटर्न को एक साथ लेपर किया जाएगा। फैशन विशेषज्ञ इसे 'पैटर्न मिक्सिंग' का नया 'दौर' मानते हैं।

भारतीय शहरी फैशन में को-अर्डर सेट्स, इंडो-वेस्टर्स आउटफिट्स और आधुनिक टच वाले परामर्शिक परिधान मुख्यधारा में रहेंगे। आरामदायक फिट और पेटल रंगों का संयोजन लोकप्रिय होता दिख रहा है।



पुरुषों के फैशन में नया संतुलन

पुरुषों के फैशन में भी व्यावहारिक बदलाव देखने की मिल रहा है। स्ट्रीकर्स की जगह लोफर्स और डर्भी शूज, स्पोर्ट्स जैकेट, जैववार्षिक फैब्रिक्स और हल्के ओवरशॉर्ट्स लोकप्रिय हो रहे हैं। आराम और पलेंगों का संयोजन पुरुषों की संगम है। बदलती जीवनशैली और पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच यह सीजन फैशन को एक अधिक संवेदनशील और सार्थक दिशा में आगे बढ़ाता है।

एक्सेसरीज और डिटेलिंग

एक्सेसरीज में ओवरलाइज्ड सनलारेस, बड़े स्टर्कर्ड टोट बैग्स और स्कार्फ की बैल की तरह पहनने का चलन फिर से लौट रहा है। यह Y2K नॉर्स्ट्रिल्या का आधुनिक संरक्षण है। बदलती जीवनशैली और स्कर्करण द्वारा लैंडेट नेकलेस को प्राप्तिकरता दी जा रही है।



सिनेमा की एवरग्रीन ब्यूटी रेखा

भारतीय सिनेमा की 'एवरग्रीन ब्यूटी' की जाने वाली अभिनेत्री रेखा का व्यक्तित्व और करियर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। 10 अक्टूबर 1954 को घेनई में जन्मी भानुरेखा गणेशन उर्घ रेखा ने

अपनी मेहनत और समर्पण से वह मुकाम हासिल किया, जहां आज वे

एक जीवंत किंवदंती (Legend) मानी जाती है।

रेखा का फिल्मी सफर चुनौतियों से भरा रहा। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में तेलुगु फिल्म 'रंगला रस्ता' से की थी। 1970 में मार 16 साल की उम्र में 'सावन बांदी' फिल्म से उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा। उनके दिनों में उन्हें उनके रंग-रूप और हिंदू नौ बोल पाने के कारण कामी आलोचनाओं का समान करना पड़ा, लेकिन रेखा ने हार नहीं मानी। 70 के दशक के उत्तराधि में उन्होंने खुद में जूताकारी की भूमिका पुराने दिनों से आगर आपको अनिफ्लॉड, अजीब और बिना दिमाग लाए देखने वाली कॉमेडी बनानी शुरू की। इसमें कूछ योद्धा लड़ाकू हैं, लेकिन कामोजार कहानी, आवरडाज गलियां और असंतुलित निर्देश इसे पूरी तरह कमज़ाब नहीं होने देते। अगर आपको अनिफ्लॉड, अजीब और बिना दिमाग लाए देखने वाली कॉमेडी बनाना है तो यह फिल्म आपको कूछ हँसी दे सकती है। अगर आप स्मार्ट, सधी हुई और परामर्शिक कॉमेडी हूँ तो यह फिल्म आपको कूछ हँसी दे सकती है। अगर आप स्मार्ट, सधी हुई और परामर्शिक कॉमेडी हूँ तो यह फिल्म शायद आपको निराश करेगी।

सकती थी। फिल्म का सबसे विवादित पहलू इसकी अत्यधिक गली-प्रधान भाषा है। कुछ जगह यह किरदारों की अराजकता दिखाने में काम आती है, लेकिन ज्यादातर भौकों पर गालियां सिर्फ जबरन हंसी का जरिया लगती हैं। उनकी अधिकता हास्य को कमज़ोर करती है और परामर्शिक दर्शकों के लिए फिल्म को लगभग असहज बना देती है। हैप्पी पटेल एक एक्सपरिमेंटल फिल्म है जो हर दशक के लिए नहीं बनी। इसमें कूछ योद्धा लड़ाकू हैं, लेकिन कामोजार कहानी, आवरडाज गलियां और असंतुलित निर्देश इसे पूरी तरह कमज़ाब नहीं होने देते। अगर आपको अनिफ्लॉड, अजीब और बिना दिमाग लाए देखने वाली कॉमेडी बनाना है तो यह फिल्म आपको कूछ हँसी दे सकती है। अगर आप स्मार्ट, सधी हुई और परामर्शिक कॉमेडी हूँ तो यह फिल्म शायद आपको निराश करेगी।

समीक्षक - प्रदीप शर्मा



देखने वाली कॉमेडी पसंद है, तो यह फिल्म आपको कूछ हँसी दे सकती है। अगर आप स्मार्ट, सधी हुई और परामर्शिक कॉमेडी हूँ तो यह फिल्म शायद आपको निराश करेगी।



और कहानी के अंत में...

दादीजी कैसर से हार गए, लेकिन उन्होंने अपनी अधूरी तीर्थयात्रा पर जाने का अलग-अलग व्यक्तित्व रखा। उनके दिनों में उन्हें उनके रंग-रूप और हिंदू नौ बोल पाने के कारण कामी आलोचनाओं का समान करना पड़ा, लेकिन रेखा ने हार नहीं मानी। 70 के दशक के उत्तराधि में उन्होंने खुद में जूताकारी की भूमिका पुराने दिनों से आगर करियर का टार्निंग पॉइंट साबित हुई। उन्होंने अपने करियर में सिलसिला, मिस्टर नटवरलाल, मुकद्दर का सिकंदर और कई ब्लॉकबस्टर हिट फिल्मों में अपने आइकॉनिक फरफांसेस से लोगों के दिल जीत लिए।

रेखा का अधिक फिल्मों से वह मुकाम हासिल किया, जहां आज वे एक जीवंत किंवदंती (Legend) मानी जाती है। रेखा का अधिनय क्षमता का लोहा दुनिया ने तब माना जब 1981 में फिल्म 'उमराव जान' आई। इस फिल्म में एक त्वायक के किरदार को उन्होंने उनके रंग-रूप और हिंदू नौ बोल पाने के लिए उठाए रखायी। फिल्म दो अनजाने (1976) उनके करियर का टार्निंग पॉइंट साबित हुई। उन्होंने अपने करियर में सिलसिला, मिस्टर नटवरलाल, मुकद्दर का सिकंदर और कई ब्लॉकबस्टर हिट फिल्मों में अपने आइकॉनिक फरफांसेस से लोगों के दिल जीत लिए।

रेखा का अधिनय क्षमता का लोहा दुनिया ने तब माना जब 1981 में फिल्म 'उमराव जान' आई। इस फिल्म में एक त्वायक के किरदार को उन्होंने उनके रंग-रूप और हिंदू नौ बोल पाने के लिए भूमिका सालानी। भावती आजाकारी पर्नी ही हीं, लेकिन अब वह कम आहं भरती थीं और ज्यादा बोलती थीं। मंडली न तो नायिका बन पाईं और न यही गायिका, लेकिन उन्हें इस्पैटर साधारण भरती थीं। भावती आजाकारी पर्नी ही हीं, लेकिन अब वह कम आहं भरती थीं और ज्यादा बोलती थीं। मंडली न तो नायिका बन पाईं और न यही गायिका, लेकिन उनके रंग-रूप और हिंदू नौ बोल पाने के लिए भूमिका सालानी। भावती आजाकारी पर्नी ही हीं, लेकिन अब वह कम आहं भरती थीं और ज्यादा बोलती थीं। मंडली न तो नायिका बन पाईं और न यही गायिका, लेकिन उनके रंग-रूप और हिंदू नौ बोल पाने के लिए भूमिका सालानी। भावती आजाकारी पर्नी ही हीं, लेकिन अब वह कम आहं भरती थीं और ज्यादा बोलती थीं। मंडली न तो नायिका बन पाईं और न यही गायिका, लेकिन उनके रंग-रूप और हिंदू नौ बोल पाने के लिए भूमिका सालानी। भावती आजाकारी पर्नी ही हीं, लेकिन अब वह कम आहं भरती थीं और ज्यादा बोलती थीं। मंडली न तो नायिका बन पाईं और न यही गायिका, लेकिन उनके रंग-रूप और हिंदू नौ बोल पाने के लिए भूमिका सालानी। भावती आजाकारी पर्नी ही हीं, लेकिन अब वह कम आहं भरती थीं और ज्यादा बोलती थीं। मंडली न तो नायिका बन पाईं और न यही गायिका, लेकिन उनके रंग-रूप और

अवैध निर्माण को लेकर 2024 में चिह्नित किया गया था नाइट क्लब

पांचजी, एजेंसी

गोवा सरकार ने विधानसभा में कहा है कि राजस्व अधिकारियों ने 2024 में नाइट क्लब वर्च वाय रोमियो लेन को अवैध निर्माण के सिलसिले में चिह्नित किया था। उत्तरी गोवा के अरपेश स्थित इस नाइट क्लब के पिछले महीने आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी जबकि कई लोग झूलास गए थे। राज्य के राजस्व मंत्री अतानासियो मॉनरेस्ट ने शुक्रवार को सरन में लिखित उत्तर में ऐसे दस्तावेज पेश किए, जिनसे पता चलता है कि सार्वतं फैन के भीतर स्थित पारंपरिक 'स्लूड्स गेट (बांध)' को ध्वस्त कर तथा भूमि को अवैध रूप से

• आग लगने की घटना पर गोवा सरकार ने दी विस में जानकारी



परिवर्तित करके क्लब का निर्माण किया गया था।

संपत्ति के मूल मालिक प्रदीप घड़ी अमोनर और सुनील दिवकर ने 21 दिसंबर 2023 को बारदेज तालुक के मामलतदार (राजस्व अधिकारी) के समक्ष शिकायत दर्ज की। इसमें आरोप लगाया गया था कि किराए पर लगाई गई भूमि पर निर्माण किया गया और पारंपरिक स्लूड्स गेट को ध्वस्त कर दिया गया। यह भी बताया गया कि प्रित्तिधान से बाग नदी में कचरा बहाया जा रहा था।

बाद में सौरभ और गौरव लूथरा भाइयों को पट्टे पर दिए जाने के बाद विर्च बाय रोमियो लेन के नाम से जाना जाने लगा) के खिलाफ दर्ज की गई थी। शिकायतकर्ताओं ने रिसार्ट के मालिक सुरिदर खासला के साथ विक्री के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। उनकी शिकायत में विशेष रूप से उल्लेख किया गया था कि भूमि रूपांतरण और जाने परिवर्तन किया विना निर्माण किया गया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि किराए पर लगाई गई भूमि पर निर्माण किया गया और पारंपरिक स्लूड्स गेट को ध्वस्त कर दिया गया। यह भी बताया गया कि प्रित्तिधान से बाग नदी में कचरा बहाया जा रहा था।

वर्तुल ब्रीफ

सर्विया में हजारों छात्रों ने रैली निकाली

नोवी सादा सर्विया में छात्रों ने देश के राष्ट्रपति एलेजेंट रुसिक के खिलाफ अपने संघर्ष के एक नए दर्शन की घोषणा की और हजारों लोगों ने रैली निकाली। छात्रों ने पिछले एक साल में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किए हैं, जिनसे देश में वृशिक की निरुक्षा सरकार हिल गई है। नोवी साद में वृशिकरानी ने चोर के नारे लगाते हुए सरकार पर आरोपी की पैमाने पर ब्राटावर करने का आरोप लगाया। उनका मानना है कि ब्राटावर के कारण ही उत्तरी शहर में नवंबर 2024 में रैली स्टेन्ट दानासा हुआ जिसमें 16 लोगों की मौत हो गई और बदलाव के लिए देशवायियों आदोलन शुरू हुआ।

फोर्ड के 3 लाख वाहनों को वापस मंगाया

आतावा। कनाडा में परिवहन विभाग ने शॉर्ट सर्किट से आग लगने के खतरे के कारण फोर्ड की 300,000 से ज्यादा गाड़ियों को वापस मंगाने की घोषणा की है। कनाडा के परिवहन विभाग ने कहा है कि अग्राम-लगातार फोर्ड मॉडल की कुछ गाड़ियों में इंजन बॉक्स हीटर से कूरेंट लीक हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अग्राम एसा होता है, तो लग लगाने पर लॉटर में फोर्ट सर्किट हो सकता है। फोर्ड मालिकों को वीलीशप पर पर जाएं तक लॉक हीटर को बदला जा सके।

रिश्वत देने में ताइवान में पत्रकार गिरफ्तार

ताइपे। ताइवान में एक पत्रकार को

मुख्यमंथन चीन के लोगों को सेन्य जाकरी उपलब्ध कराने के लिए सेना के अधिकारियों को शिश्वत देने के आरोपी में शिश्वार को हिरास ले लिया गया। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब स्वास्थ्यसिंह द्वारा ताइवान के कियांओं ने जिला, एजेंसी

ईयूने अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर लगाई रोक

गीनलैंड विवाद: अमेरिका द्वारा शुल्क लगाने की चेतावनी के बाद उठाया कदम



ट्रंप के विरोध में ग्रीनलैंड, डेनमार्क में हुए प्रदर्शन कोपेनहेंगन। ग्रीनलैंड पर नियंत्रण करने के अमेरिकी प्रयासों और बायानों के विरोध में डेनमार्क और ग्रीनलैंड के ग्रीनलैंड के प्रति अपना पूर्ण समर्थन दोहराते हुए इस बात पर जो दिया गया है कि संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को वापस मंगाने की घोषणा की है। कनाडा के परिवहन विभाग ने कहा है कि अग्राम-लगातार फोर्ड मॉडल की कुछ गाड़ियों में इंजन बॉक्स हीटर से कूरेंट लीक हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अग्राम एसा होता है, तो लग लगाने पर लॉटर में फोर्ट सर्किट हो सकता है। फोर्ड मालिकों को वीलीशप पर पर जाएं तक लॉक हीटर को बदला जा सके।

रिश्वत देने में ताइवान में पत्रकार गिरफ्तार

ताइपे। ताइवान में एक पत्रकार को

मुख्यमंथन चीन के लोगों को सेन्य जाकरी उपलब्ध कराने के लिए सेना के अधिकारियों को शिश्वत देने के आरोपी में शिश्वार को हिरास ले लिया गया। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब स्वास्थ्यसिंह द्वारा ताइवान के कियांओं ने जिला, एजेंसी

बांग्लादेश में एक और हिंदू व्यापारी की हत्या

डाका, एजेंसी

• ग्रीनलैंड मामले में अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच बढ़ते तनाव के बीच ईयू ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत रोक दी है। ईयू ने यह कदम डेनमार्क और संघ के कई दशों पर अमेरिका के संघों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। साथ ही, उत्तरी डेनमार्क और ग्रीनलैंड के प्रति अपना पूर्ण समर्थन दोहराते हुए इस बात पर जो दिया गया है कि संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को वापस मंगाने की घोषणा की है। ग्रीनलैंड के ग्रीनलैंड की 300,000 से ज्यादा गाड़ियों को वापस मंगाने की घोषणा की है। कनाडा के परिवहन विभाग ने कहा है कि अग्राम-लगातार फोर्ड मॉडल की कुछ गाड़ियों में इंजन बॉक्स हीटर से कूरेंट लीक हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अग्राम एसा होता है, तो लग लगाने पर लॉटर में फोर्ट सर्किट हो सकता है। फोर्ड मालिकों को वीलीशप पर पर जाएं तक लॉक हीटर को बदला जा सके।

रिश्वत देने में ताइवान में पत्रकार गिरफ्तार

ताइपे। ताइवान में एक पत्रकार को

मुख्यमंथन चीन के लोगों को सेन्य जाकरी उपलब्ध कराने के लिए सेना के अधिकारियों को शिश्वत देने के आरोपी में शिश्वार को हिरास ले लिया गया। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब स्वास्थ्यसिंह द्वारा ताइवान के कियांओं ने जिला, एजेंसी

बांग्लादेश में एक और हिंदू व्यापारी की हत्या

डाका, एजेंसी

• ग्रीनलैंड मामले में अमेरिका और बायानों की आशंका है कि अपनी घोषणा को लेकर चिंतित है। अपनी अधिकारियों ने जिला, एजेंसी

मुख्यमंथन चीन के लोगों को सेन्य जाकरी उपलब्ध कराने के लिए सेना के अधिकारियों को शिश्वत देने के आरोपी में शिश्वार को हिरास ले लिया गया। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब स्वास्थ्यसिंह द्वारा ताइवान के कियांओं ने जिला, एजेंसी

मुख्यमंथन चीन के लोगों को सेन्य जाकरी उपलब्ध कराने के लिए सेना के अधिकारियों को शिश्वत देने के आरोपी में शिश्वार को हिरास ले लिया गया। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब स्वास्थ्यसिंह द्वारा ताइवान के कियांओं ने जिला, एजेंसी

मुख्यमंथन चीन के लोगों को सेन्य जाकरी उपलब्ध कराने के लिए सेना के अधिकारियों को शिश्वत देने के आरोपी में शिश्वार को हिरास ले लिया गया। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब स्वास्थ्यसिंह द्वारा ताइवान के कियांओं ने जिला, एजेंसी

मुख्यमंथन चीन के लोगों को सेन्य जाकरी उपलब्ध कराने के लिए सेना के अधिकारियों को शिश्वत देने के आरोपी में शिश्वार को हिरास ले लिया गया। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब स्वास्थ्यसिंह द्वारा ताइवान के कियांओं ने जिला, एजेंसी

मुख्यमंथन चीन के लोगों को सेन्य जाकरी उपलब्ध कराने के लिए सेना के अधिकारियों को शिश्वत देने के आरोपी में शिश्वार को हिरास ले लिया गया। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब स्वास्थ्यसिंह द्वारा ताइवान के कियांओं ने जिला, एजेंसी

मुख्यमंथन चीन के लोगों को सेन्य जाकरी उपलब्ध कराने के लिए सेना के अधिकारियों को शिश्वत देने के आरोपी में शिश्वार को हिरास ले लिया गया। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब स्वास्थ्यसिंह द्वारा ताइवान के कियांओं ने जिला, एजेंसी

मुख्यमंथन चीन के लोगों को सेन्य जाकरी उपलब्ध कराने के लिए सेना के अधिकारियों को शिश्वत देने के आरोपी में शिश्वार को हिरास ले लिया गया। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब स्वास्थ्यसिंह द्वारा ताइवान के कियांओं ने जिला, एजेंसी

मुख्यमंथन चीन के लोगों को सेन्य जाकरी उपलब्ध कराने के लिए सेना के अधिकारियों को शिश्वत देने के आरोपी में



साइविलग्रा सभी उम्र के लोगों के लिए सबसे अच्छी एक सरसाइज है। यह कार्बन फुटप्रिंट कम करने में भी मदद करती है। हम सभी को एक साथ आना चाहिए और ग्यूलर साइविलग्रा करनी चाहिए।

डॉ. मनोहर सिंह मांडविया, खेल मंत्री

हाईलाइट

वानखेड़े स्टेडियम का इंतजार कर रहे अमेरिकी गेंदबाज नेत्रवलकर

नई दिल्ली में मुबर्द में जन्मे अमेरिकी तेज गेंदबाज योर्सन नेत्रवलकर उम्र पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं जब वह सात फेवरी को वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ अपनी टीम के टी20 विश्व कप के पहले मैच में मैदान पर उतरेगा। यह वही मैदान है जहाँ से एक गेंदबाज के रूप में उनके करियर की शुरुआत हुई थी। इसके बाद वह अपना करियर बनाने के लिए अमेरिका चल गए और वहाँ की नायरियना हासिल करने के बाद उसके राष्ट्रीय टीम के सदस्य बन गए। इस विश्व कप के लिए वानखेड़े स्टेडियम की शुरुआत हुई थी।

महिला सिंगल्स विनर साउथ कोरिया की एन से यहा



महिला सिंगल्स विनर साउथ कोरिया की एन से यहा



न्यूजीलैंड के लिए यह मैच को

इंडिया ओपन

इंडिया ओपन